हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार 5 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 19 .5 डिग्री
न्यूनतम 3 .0 डिग्री

12 वर्षों से सामाजिक व धार्मिक कार्यों में लगी श्री...

12 सिनर्जी आईएएस अकैडमी में 'एजुकेशनल...

खबर संक्षेप

अवैध शराब की 14 बोतल के साथ एक गिरफ्तार

हांसी। जिला भर नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस चौकी इंचार्ज धर्मवीर सिंह ने 12 बोतल अंग्रेजी व दो बोतल देशी शराब के साथ चार कुतुब गेट निवासी दीपक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि चौकी इंचार्ज ने गश्त पड़ताल दौरान शक के आधार एक व्यक्ति को रोक कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास 12 बोतल अंग्रेजी व दो बोतल देशी शराब बरामद हुई। उस पर केस दर्ज कर लिया गया है।

12 क्वार्टर मोक्षधाम को डी-फ्रिज भेंट किया

हिसार। हिसार प्रॉपर्टी डीलर एसोसिएशन के सदस्यों ने 12 क्वार्टर में स्थित सर्व समाज मोक्ष धाम ट्रस्ट को डी फ्रिज भेंट किया। इससे पूर्व हिसार प्रॉपर्टी डीलर एसोसिएशन की बैठक एसोसिएशन के प्रधान संजय डालमिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में लिए निर्णय अनुसार डीलर एसोसिएशन के सदस्य, प्रधान एवं वार्ड 13 के पार्षद संजय डालमिया के नेतृत्व में 12 क्वाटर स्थित मोक्ष धाम पहुंच कर, मोक्ष धाम ट्रस्ट के सदस्यों को डी फ्रिज सौंपा। इससे पूर्व हिसार प्रॉपर्टी डीलर एसोसिएशन के सदस्यों ने श्री महिला अनाथ आश्रम में बर्तन व सब्जियां भेंट की थी। इस अवसर पर प्रधान बलजीत सिंह टॉक, सत्य काम आर्य सचिव, सुरेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष, देवेंद्र रोहिल्ला उप प्रधान, कुलदीप कांगड़ा आदि मौजूद थे।

नामदेव धर्मशाला में वसंत पंचमी 23 को

हिसार। सिरसा रोड स्थित नामदेव धर्मशाला में हर वर्ष की भांति इस बार भी बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसमें सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता सुनील वर्मा मुख्य अतिथि होंगे। सभा के प्रैस सचिव विनोद रोहिल्ला ने बताया कि रविवार को नामदेव चैरिटेबल ट्रस्ट एवं सभा की बैठक चेयरमैन मास्टर प्रताप वर्मा की अध्यक्षता में हुई जिसमें यह निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वसन्त पंचमी का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। इसमें लंगर व भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

मोटे अनाज श्री अन्न का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के लिए होगा प्रशिक्षण

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से पांच दिवसीय-मिलेट्स प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन (मोटे अनाज श्री अन्न का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन) पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि प्रदेश के अनुसूचित जाति/जन जाति उम्मीदवार जो प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक हैं, संस्थान में 8 जनवरी को सांय 04:30 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यालय से कार्रवाई के निर्देशों के बावजूद एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे अधिकारी

बस अड्डे के दुकानदार ने मीटर बदलकर लगाया भारी चूना, अधिकारी मौन

हिसार के मामले को देखते हुए राज्यभर में बस अड्डों पर मीटरों की जांच के निर्देश

राजेश्वर बैनीवाल ⏭ हिसार

राज्य परिवहन के हिसार डिपो में बस अड्डे के दुकानदार द्वारा बिजली का मीटर बदलकर विभाग को बड़ा चूना लगाने का मामला सामने आया है। मामले की शिकायत सरकार तक पहुंची तो डिपो के अधिकारियों को तुरंत मीटर जमा करवाने के निर्देश दिए गए लेकिन कई माह बीत जाने के बा व जू द अधिकारी उक्त दुकानदार पर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। खास बात है कि हिसार डिपो के इस मामले को देखते हुए परिवहन मुख्यालय ने राज्य के सभी डिपुओं को अपने-अपने बस अड्डों पर इस बारे जांच के निर्देश दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार हिसार बस अड्डे पर विभाग की देखरेख में विभिन्न कार्यों की कई दुकानें चल रही है। यहां पर विभाग की ओर से सब मीटर लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से इन दुकानों को बिजली सप्लाई होती है। बताया जा रहा है कि दुकान नंबर 8 व 9 के दुकानदार द्वारा कुछ माह पूर्व अपनी दुकान को सप्लाई देने वाला सब मीटर बदल दिया गया।

बस अड्डे पर विभाग की देखरेख में विभिन्न कार्यों की कई दुकानें चल रही

कारण यह था कि उक्त दुकानदार का लगभग 80 हजार रुपये से अधिक का बिजली बिल हो गया था। उसको कम करने के लिए उसने विभिन्न शाखाओं में कार्यरत रोडवेज कर्मचारियों से मिलीभगत का रास्ता अपनाया और अपना मीटर बदल लिया। बताया जा रहा है कि उक्त दुकानदार ने मीटर बदलने के साथ ही अपने 80 हजार रुपये वाले बिजली बिल को 800 रुपये कर लिया।

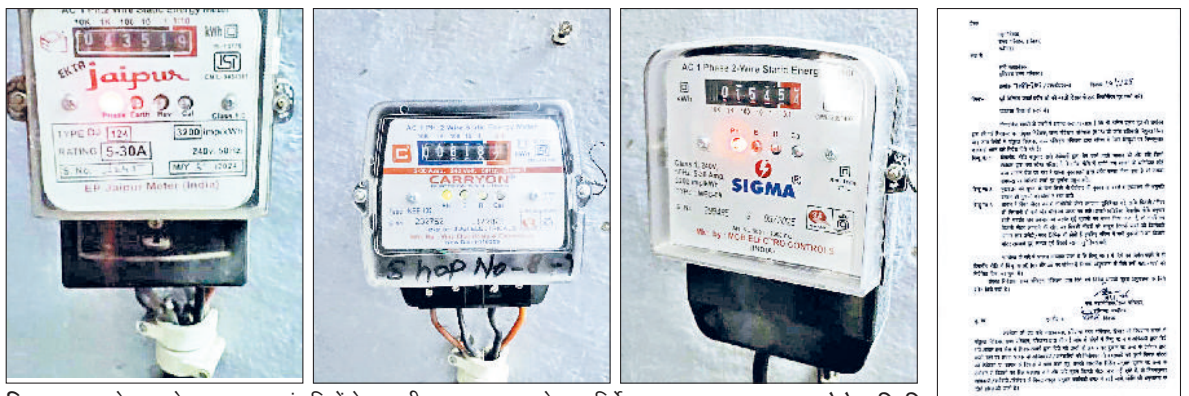

हिसार। बस अड्डे पर लगे अलग अलग कंपनियों के सब मीटर व मुख्यालय से आए निर्देश। फोटो: हरिभूमि

अन्य बस अड्डों पर निगरानी के निर्देश

विभाग के उच्चाधिकारी दिलबाग सिंह के ध्यान में जब हिसार का यह मामला आया तो वे भी सकते में आ गए। उन्होंने इस मामले की जांच करने के साथ-साथ राज्य के सभी डिपो महाप्रबंधकों को पत्र जारी करके निर्देश दिए कि वे निगरानी करें और देखें कि उनके बस अड्डों पर तो इस तरह की गड़बड़ी नहीं है।

राज्यभर के लिए ये दिए निर्देश: मुख्यालय के अधिकारियों ने हिसार का यह मामला सामने आने के बाद संयुक्त आदेश जारी किए। इसके तहत हर डिपो में बिल्डिंग क्लर्क सभी दुकानों के मीटरों का रिकॉर्ड रखेगा और उसकी ये पूर्णतः जिम्मेवारी होगी। साथ ही ये हिदायत भी जारी की गई कि किसी भी दुकान को मुख्यालय की अनुमति के बिना बदला न जाए और जो विभागीय पॉलिसी में है, उसी अनुसार दुकानें चलवाएं।

सीएम के मुख्य प्रधान सचिव तक पहुंची शिकायत

इस मामले की शिकायत एक अन्य दुकानदार ने मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव आरके खुल्लर को भेज दी। शिकायत मिलने के बाद आरके खुल्लर ने विभाग के उच्चाधिकारी दिलबाग सिंह को इसकी जांच करवाने व रिपोर्ट बनाकर भेजने के निर्देश दिए।

मीटर जमा करवाने के निर्देश

विभाग के उच्चाधिकारी दिलबाग सिंह ने मामले में कार्रवाई करते हुए हिसार डिपो महाप्रबंधक को निर्देश दिए कि हिसार बस अड्डे पर लगे सभी पुराने मीटरों को तुरंत जमा करवाया जाए ताकि उनकी रीडिंग देखकर दुकानदार से बिल भरवाया जा सके। इसके साथ ही मीटर बदलने वाले दुकानदार पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। मुख्यालय के निर्देश मिलते ही महाप्रबंधक ने अपने अधीनस्थों को निर्देशों व पॉलिसी के अनुसार कार्रवाई के लिए लिखा लेकिन मुख्यालय व महाप्रबंधक के आदेश दो माह बाद तक भी धूल फांक रहे हैं।

पूरी सुई भवन लिपिक व दुकानदार के इर्द-गिर्द घूम रही

मुख्यालय के निर्देशों के बाद डिपो पर चल रही धीमी कार्रवाई का फायदा अब इस मामले से जुड़े कर्मचारी व दुकानदार उठा रहे हैं। मुख्यालय के निर्देशानुसार इलेक्ट्रिशियन, भवन लिपिक, तत्कालीन संस्थान व संबंधित दुकान के ठेकेदार मयंक पर कार्रवाई की जानी थी लेकिन अब ये एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। सूत्रों की माने तो इलेक्ट्रिशियन का कहना है कि उसने ये मीटर भवन लिपिक को दे दिए, तत्कालीन एसएस का कहना है कि मीटर बदलने का मामला उनके ध्यान में नहीं है। ऐसे में अब पूरी सुई भवन लिपिक व उक्त दुकानदार के इर्द-गिर्द घूम रही है। इनका यह खेल चलते भी काफी लंबा समय हो गया है।

मामले में कार्रवाई की जाएगी : टीएम

इस संबंध में डिपो के यातायात प्रबंधक प्रीतम सिवाच से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। अब जब मामला उनके ध्यान में आया है तो दो दिन में इसका अध्ययन करके मुख्यालय निर्देशों के अनुसार जो कार्रवाई बनती है, वो की जाएगी। डिपो महाप्रबंधक राहुल मित्तल से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका फोन नॉ रिप्लाई रहा।

अवैध रूप से चल रही बड़ी एलईडी

सूत्रों ने बताया कि जिस दुकानदार ने मीटर बदलकर विभाग को चूना लगाया है, उसने दुकान के आगे अवैध रूप से बड़ी एलईडी भी लगा रखी है। एलईडी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी व परिवहन मंत्री अनिल विज व अन्य की फोटो है। बताया जा रहा है कि डिपो के अधिकारी इस एलईडी को उतारने के निर्देश भी दे चुके हैं लेकिन उक्त दुकानदार के आगे अधिकारियों के निर्देश कोई मायने नहीं रखते। बताया जा रहा है कि इस एलईडी के जरिए यह अधिकारियों पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है जबकि इस तरह की एलईडी के लिए विभाग से मंजूरी की जरूरत होती है।

ये तीन मीटर लगे थे यहां पर

सूत्रों ने बताया कि यहां पर तीन अलग-अलग कंपनियों के मीटर लगे थे। पहले यहां जयपुर कंपनी का मीटर लगा था, दूसरा क्राइओन का लगाया गया और अब फिलहाल तीसरा मीटर सिगमा कंपनी का चल रहा है।

हकृवि में 49वां कुलपति सम्मेलन आज, तैयारियां पूरी

- डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा होंगे मुख्य अतिथि
- 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' पर होगा मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 जनवरी को होने वाले कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के 49वें कुलपति सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा मुख्य अतिथि के तौर पर करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति एवं आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ठ अतिथि होंगे जबकि हकृवि कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' विषय पर होने वाले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे।

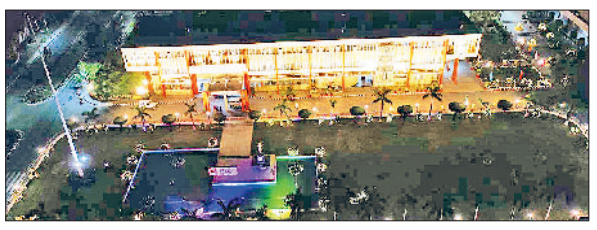

हिसार। सम्मेलन के दृष्टिगत सजाया गया विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन।

गुरु जम्भेश्वर विवि के दो एनएसएस स्वयंसेवकों का गणतंत्र दिवस परेड (आरडी) के लिए चयन

- कुलपति से मिली स्वयंसेविका मानसी, अधिकारियों ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की स्वयंसेविका मानसी व संबद्ध राजकीय महाविद्यालय, हिसार के स्वयंसेवक ईश्वर का गणतंत्र दिवस परेड (आरडी) के लिए चयन हुआ है। यह चयन राज्य एवं जोनल स्तर पर आयोजित कठोर चयन प्रक्रियाओं के उपरांत उनके अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, शारीरिक दक्षता तथा सेवाभाव के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। विश्वविद्यालय परिसर की मानसी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई से मिली। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने चयनित स्वयंसेवकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हिसार। स्वयंसेविका मानसी को शुभकामनाएं देते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड में सहभागिता प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है। एनएसएस विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को राष्ट्रसेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नेतृत्व के मूल्यों से संस्कारित करता है।

एनएसएस स्वयंसेवक मानसी का चयन विश्वविद्यालय की सुदृढ़ शैक्षणिक एवं सह पाठ्यचर्या परंपरा का प्रमाण है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस परेड के लिए स्वयंसेवकों का चयन उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। इस प्रकार की उपलब्धियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाती है तथा विश्वविद्यालय की सकारात्मक छवि को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त करती है।

हकृवि को मधुमक्खी मल्टीपर्पज डिस्पेंसर के लिए मिला पेटेंट

- कुलपि प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने वैज्ञानिक को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रोफेसर ओपी चौधरी ने मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर बनाया है। इस खोज के लिए भारत सरकार से डिज़ाइन पेटेंट संख्या 320896-00 मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने वैज्ञानिक प्रो. ओपी चौधरी द्वारा अर्जित के गई इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है। कुलपति प्रो. कम्बोज ने बताया कि 'मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर' एक विशेष यंत्र है जिसे मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न प्रकार के कीड़ों व बीमारियों की रोकथाम के लिए विकसित किया गया है। इस डिस्पेंसर द्वारा मधुमक्खी रोगों व कीटों की रोकथाम के लिए प्रयुक्त सभी प्रकार के कीटनाशी, माइटनाशी, रसायन व दवाइयों के फ़ॉर्म्यूलेशंस जैसे कि ठोस, द्रव, पाउडर, जैल आदि का प्रयोग विभिन्न रोगों वरोआ माइट, पैरासिटिक माइट सिंड्रोम, अकरैपिस माइट, यूरोपियन फ़ाउल ब्रूड, मोमी पतंगा, आदि के रोकथाम के लिए किया जा सकता है। इस डिस्पेंसर की विशेषता यह है कि इसका प्रयोग मधुमक्खी बॉक्स में तल्पपट्टा, फ्रेमों की टॉप बार, फ्रेमों के मध्य आदि किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। इसके प्रयोग से न केवल कार्यकुशलता व मधुमक्खियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

हिसार। कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज वैज्ञानिक के साथ। फोटो: हरिभूमि

107 दिव्यांगजन लाभान्वित, मिले सहायक उपकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार की ओर से उनके कल्याण और पुनर्वास के लिए कार्य किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत हिसार के सेक्टर-14 स्थित पंजाबी भवन में दिव्यांगजन उपकरण वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में आईओसीएल के मंडल खुदरा बिक्री प्रमुख गौरव कुमार शर्मा मुख्य अतिथि रहे और आईओसीएल के प्रबंधक संचित गोयल, एलिम्को, जिला रेडक्रॉस सोसायटी, भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा व दिव्यांग केंद्र के पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान रेडक्रॉस सचिव रविंद्र लोहान, शम्मी नागपाल, एडवोकेट अनुज गुप्ता, रामनिवास अग्रवाल सीए आदि मौजूद थे।

हिसार। समारोह में दिव्यांगजनों को आधुनिक सहायक उपकरण व यंत्र उपलब्ध करवाते अधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

हमलावरों ने वृद्ध को मारी ईंट, मौत

- हमलावरों ने अस्पताल पहुंचकर की परिजनों से मारपीट, पुलिस पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिले के गांव कैमरी में आपसी झगड़े के दौरान 70 वर्षीय बुजुर्ग जगदीश की ईंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। परिजन गंभीर हालत में जगदीश को जिले के नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नागरिक अस्पताल में उपस्थित परिजनों ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब गांव की एक गली में कुछ लोग एक युवक के साथ मारपीट कर रहे थे। शोर सुनकर जगदीश अपने बेटे के साथ मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने की कोशिश की।

हिसार। नागरिक अस्पताल में घटना की जानकारी देते परिजन।

घर पर भी हमला, सीसीटीवी कैमरे तोड़े

मृतक के बेटे ने आरोप लगाया कि अस्पताल की घटना के बाद हमलावर उनके घर तक पहुंच गए और वहां लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। इससे परिवार में डर और आक्रोश का माहौल है। अस्पताल प्रशासन ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही आजाद नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अस्पताल में मौजूद लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अंतिम को उत्तर प्रदेश डोमिनेटर्स ने 52 लाख की बोली लगाकर किया टीम में शामिल

उत्तर प्रदेश डोमिनेटर्स ने 52 लाख रुपये की भारी-भरकम बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया

प्रो कुश्ती लीग की नीलामी में हिसार की अंतिम पंघाल ने रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिले के गांव भगाना की उभरती हुई स्टार पहलवान अंतिम पंघाल ने प्रो कुश्ती लीग की नीलामी में इतिहास रचा है। दो बार की विश्व कुश्ती चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम को उत्तर प्रदेश डोमिनेटर्स ने 52 लाख रुपए की भारी-भरकम बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया। इसके साथ ही वह इस लीग के इतिहास में भारत की सबसे महंगी महिला रेसलर बन गई हैं। अंतिम पंघाल भगाना निवासी राम निवास पंघाल व कृष्णा कुमारी की पांच संतानों में से दूसरी सबसे छोटी संतान हैं। अंतिम पंघाल परिवार की सबसे छोटी लड़की हैं। सरिता, मीनू और निशा, अंतिम की बड़ी बहनें हैं, जबकि भाई अर्पित, अंतिम के दो साल बाद पैदा हुआ, जो सबसे छोटा है। चार बहनों के बाद पिता ने अंतिम नाम रखा था। पिता रामनिवास ने कहा कि बेटी अंतिम पर उनको गर्व है।

हिसार की बेटी अंतिम पंघाल।

पिता ने डेढ़ एकड़ जमीन बेचकर किया कामयाब

अंतिम के पिता रामनिवास ने अपनी बेटी को पहलवान बनाने के लिए जमीन तक बेची दी थी। अंतिम करीब साढ़े 8 साल से अभ्यास कर रही है। उनकी बेटी के अभ्यास करवाने के लिए जब आर्थिक तंगी आई तो उन्होंने अपनी डेढ़ एकड़ जमीन बेच डाली थी।

जापान की सुसाकी सबसे महंगी बिकी

नीलामी में केवल भारतीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पहलवानों पर भी धनवर्षा हुई। सबसे महंगी खिलाड़ी जापान की युई सुसाकी को हरियाणा थंडर्स ने 60 लाख रुपये में खरीदा है। अंतिम सबसे महंगी भारतीय महिला प्लेयर हैं जिनको 52 लाख रुप, में उत्तर प्रदेश डोमिनेटर्स ने खरीदा है।

विनेश के रिकॉर्ड की बराबरी कर चुकी अंतिम

अंतिम पंघाल ने करीब 4 महीने पहले क्रोएशिया में 2025 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था। 21 वर्षीय रेसलर ने कांस्य पदक के मुकाबले में स्वीडन की एम्मा माल्मग्रेन को 9-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया था।

हरिभूमि
रोहतक, सोमवार, 5 जनवरी 2026

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।
- मुंशी प्रेमचंद

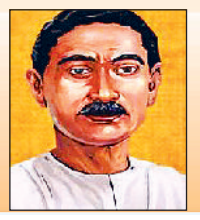

पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयो, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ "चीयर्स" कहा और माहौल और भी गहरा हो गया।

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना।

कहानी

डॉ. मधुकांत

कुंवारे नेता जिंदाबाद

दिसंबर की सर्द हवाएं जब देश के उत्तरी हिस्सों में ठिठुरन पैदा कर रही थीं, तब गोवा की सुनहरी रेत और लहरों का शोर चार दोस्तों के स्वागत के लिए तैयार था। अद्विक, अमन, विधान और अयांश—ये चार नाम नहीं, बल्कि एक अटूट दोस्ती की मिसाल थे। हर साल की तरह इस बार भी नए साल का जश्न मनाने के लिए उन्होंने गोवा के एक आलीशान पांच सितारा होटल को अपना ठिकाना बनाया। यह होटल उनकी सफलता और उनकी मेहनत की कमाई का गवाह था। होटल में दो 'कनेक्टिंग रूम' बुक किए गए थे। इन कमरों की खासियत यह थी कि इनके बीच का दरवाजा खोलते ही ये एक विशाल सुइट में तब्दील हो जाते थे। चारों दोस्तों ने कमरे में घुसते ही सबसे पहला काम उस दरवाजे को खोलने का किया। यह दरवाजा केवल लकड़ी का नहीं था, बल्कि उनके बीच के खुलेपन और पारदर्शिता का प्रतीक था।

30 से 32 वर्ष की उम्र के ये चारों युवा न केवल शारीरिक रूप से फिट थे, बल्कि अपने करियर में भी ऊंचाइयों को छू रहे थे। उनकी एक और समानता यह थी कि वे सभी अभी तक 'सिंगल' थे और अपनी इस आजादी का भरपूर आनंद ले रहे थे। अद्विक, अमन और विधान कमरे में पहुँच चुके थे और सामान व्यवस्थित कर रहे थे। अद्विक ने घड़ी की ओर देखते हुए कहा, 'अरे भाई, हम तीनों तो समय पर आ गए, लेकिन अयांश का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। दिल्ली में बैठकर बड़ी-बड़ी हांक रहा था कि इस बार सबसे पहले पहुँचकर तुम लोगों का स्वागत करूँगा।'

अमन ने खिड़की से समुद्र की लहरों को निहारते हुए मुस्कुराकर कहा, 'अरे अद्विक, तू अयांश को नहीं जानता? वह वादाखिलाफी नहीं करता। वह असल में हम सबसे पहले पहुँचा है। रिसेप्शन पर पता चला कि वह सीधे बीच पर लहरों से टकराने चला गया है। शाम ढल रही है, अब उसके आने का ही वक्त है।'

अभी बात चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा धड़धड़ाते हुए खुला। कंधे पर गिटार टांगे और चेहरे पर सूरज की तपिश लिए अयांश ने प्रवेश किया।

'मैं आ गया दोस्तों! सुना है कोई मुझे याद कर रहा था?' अयांश की आवाज में वही पुरानी खनक थी। चारों दोस्त एक-दूसरे के गले मिले। खुशी का आलम यह था कि अयांश ने वहीं थिरकना शुरू कर दिया। उसकी यह पुरानी आदत थी- जब भी वह भावुक या खुश होता, उसके पैर अपने आप थिरकने लगते। देखते ही देखते बाकी तीनों भी उसके साथ नाचने लगे। होटल का वह कमरा उनकी हंसी और ठहाकों से गूंज उठा। कुछ देर की मस्ती के बाद अयांश ने अद्विक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'अद्विक भाई, तू तो हमारा 'इवेंट मैनेजर' है। साल खत्म होने में कुछ ही घंटे बचे हैं और अभी तक ग्लास खाली हैं? तैयारी कहाँ तक पहुँची?'

अद्विक ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ बगल वाले कमरे की ओर इशारा किया, 'सब इंतजाम पक्का है मेरे दोस्त। उस कमरे में चल, वहाँ जन्नत सजी है।' चारों दोस्त बगल वाले कमरे में पहुँचे, जहाँ एक गोल मेज पर दुनिया भर की बेहतरीन ड्रिंक्स, स्नैक्स और डिनर का प्रबंध था। अद्विक ने बड़ी कुशलता से पैग बनाने शुरू किए। पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया। अयांश की 'शहीद' होने वाली कहानी बातों का सिलसिला निकला तो अमन ने अयांश की ओर देखते हुए पूछा, 'अरे अयांश, पिछले हफ्ते तू फोन पर बहुत परेशान था। कह रहा था कि घर में 'इमरजेंसी' है। फिर तूने बताया नहीं कि उस शादी वाले मामले का क्या हुआ?'

अयांश ने एक लंबी और राहत भरी सांस ली। 'भाई, मैं तो मौत के मुँह से वापस आया हूँ। तुम्हें तो पता है मेरे पापा मिलिट्री से रिटायर हुए हैं। उनके लिए अनुशासन और आदेश ही सब कुछ है। पिछले दो साल से उन्होंने मेरी शादी को अपना एकमात्र मिशन बना लिया था। इस बार मम्मी ने फोन किया कि उनकी तबीयत बहुत खराब है, मुझे तुरंत घर आना होगा। मैं घबराकर दिल्ली से गाँव पहुँचा, तो देखा मम्मी बिल्कुल भली-चंगी रसोई में पकौड़े तल रही हैं।' अयांश ने आगे बताया, 'तभी घर की घंटी बजी और पापा के जिगरी दोस्त अपनी बेटी के साथ प्रकट हुए। सब कुछ पहले से फिक्स था। मुझे और उस लड़की को बात करने के लिए ऊपर के कमरे में भेज दिया गया। मैं पसीने-पसीने हो रहा था कि अब मना कैसे करूँ? तभी उस लड़की ने ही मोर्चा संभाल लिया। उसने कमरे में घुसते ही कहा- 'देखिए, मेरा एक बॉयफ्रेंड है और मैं उसी से शादी करूँगी। मेरे पापा जबरदस्ती यहाँ लाए हैं। आप मना कर दीजिए।' मुझे लगा जैसे भगवान खुद मदद करने आए हैं। मैंने भी उससे कह दिया कि मैं भी शादी नहीं करना चाहता, पर मेरे पापा 'हिटलर' हैं। अगर मैं सादगी से मना करूँगा, तो वह मेरी खाल खींच लेंगे।'

फिर हमने एक योजना बनाई। अयांश खिलखिलाकर बोला। 'जैसे ही मम्मी चाय लेकर कमरे में आईं, हमने जानबूझकर चिल्लाना शुरू कर दिया। मैंने कहा—'मम्मी, यह लड़की तो बहुत बदतमीज है, इसे बड़ों से बात करने की तमीज नहीं है।' लड़की भी मंझी हुई कलाकार निकली, उसने तुरंत चिल्लाकर कहा कि मैंने उसकी माँ के बारे में अपशब्द कहे हैं। नीचे हॉल में ऐसा हंगामा हुआ कि रिश्ता जुड़ने से पहले ही जलकर राख हो गया। वे लोग बिना चाय पिए भाग गए और मैं अपनी आजादी लेकर वापस आ गया।' अयांश का तर्क स्पष्ट था- 'अभी मेरा करियर है। 32 साल की उम्र में मैं प्राइवेट सेक्टर में 12-12 घंटे काम करता हूँ, तब जाकर प्रमोशन मिलता है। शादी के बाद मैं न ऑफिस को समय दे पाऊँगा और न ही खुद को। इसलिए, 'नो शादी, नो बच्चे'।

"और शादी का सुख ?" अद्विक ने नया प्रसंग छेड़ दिया। "शादी का सुख लेने की बात आपने खूब कहीं। किसी भी लाइक माइंडेड लड़की के साथ दोस्ती करो। जब तक विचार मिले उनके साथ रिलेशन में रहो। मन उब जाए, तब साथ छोड़कर अलग-अलग हो जाओ। खाओ पियो मौज उड़ाओ, न किसी को अपनाने का झंझट, न तलाक देने की परेशानी..।" विधान, जो अब तक शांत बैठा था, बोला, 'अयांश, तूने तो ड्रामा करके खुद को बचा लिया, लेकिन मेरे पड़ोस में रामू आंटी के बेटे का हाल देखो तो रूह कांप जाती है। उसने दहेज और रसूख के लालच में एक बहुत अमीर लड़की से शादी की। आज स्थिति यह है कि उस लड़की ने अपनी अकड़ में बेचारी रामू आंटी को ओल्ड एज होम भेज दिया है। वह लड़का अपने ही घर में एक नौकर की तरह रहता है। उसकी कोई अपनी इच्छा नहीं बची। जब मैं उसे देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि अकेले रहकर चैन की नींद सोना किसी भी आलीशान महल की गुलामी से बेहतर है।'

अंत में सबकी निगाहें चौथे दोस्त पर टिकीं। वह शांत, गंभीर और हमेशा खादी के कुर्ते में रहने वाला व्यक्ति था, जिसे सब प्यार से 'नेताजी' बुलाते थे। अद्विक ने पूछा, 'नेताजी, आप तो समाजसेवा की बातें करते हैं। आप क्यों इस गृहस्थी के झमेले से दूर रहना चाहते हैं?' नेताजी ने अपने चश्मे को ठीक किया और बहुत गंभीरता से कहा, 'दोस्तों, मेरा लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। राजनीति की बिसात पर कुंवारा होना एक बहुत बड़ी ताकत है। इसके पीछे मेरे अपने ठोस तर्क हैं।' उन्होंने उंगलियों पर गिनवाते हुए कहा 1. समय की प्रचुरता: एक शादीशुदा नेता हमेशा घर और जनता के बीच बंटा रहता है। मुझे न घर की चिंता करनी है, न बच्चों के स्कूल की। मेरा 24 घंटा जनता का है।

2. ईमानदारी की छवि: जनता उस नेता पर ज्यादा भरोसा करती है जिसके आगे-पीछे कोई न हो। लोग सोचते हैं कि यह किसके लिए भ्रष्टाचार करेगा? इसका तो कोई वारिस ही नहीं है।

3. विरासत का मोह नहीं: हमने देखा है कि बड़े-बड़े नेताओं के बिगड़ैल बेटे ही अपने पिता की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। परिवारवाद की जड़ ही परिवार है। जब परिवार ही नहीं होगा, तो मोह कहाँ से आएगा? भारत के इतिहास में भी देखो, कई बड़े मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कुंवारे रहे हैं और उनकी छवि बेदाग रही है। नेताजी की बातों में एक अलग ही गहराई थी। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, 'मैंने तय किया है कि मेरा जीवन किसी एक स्त्री या बच्चे के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर उस बच्चे के लिए होगा जिसे मेरी जरूरत है। इसलिए-नो शादी, नो बच्चे, बस सेवा!

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना। संगीत तेज हुआ, आतिशबाज़ी से आसमान रंगीन हो गया और इसी के साथ नए साल का आगाज हुआ। वे चारों दोस्त, जो समाज की नजर में शायद 'अधूरे' थे, अपनी नजरों में पूरी तरह 'मुकम्मल' महसूस कर रहे थे।

कविता

सुधीर ढांडा कौल

डंडे की मार

जानवरों से मुझे लगाव बहुत है,
उन्हें पालने का चाव बहुत है।

एक साथ बिल्ली बंदर कुत्ते को पाला,
सफ़ेद कुत्ता, भूरा बंदर, बिल्ली
का रंग था काला।

थी तीनों की गजब की यारी,
बिल्ली कुत्ते खेलते,बंदर करता सवारी।

एक ही कटोरे में तीनों खाते थे,
एक दूसरे से लिपटकर सोते थे।

बंदर को मै गाड़ी पर ले जाता था,
कुत्ता बिल्ली के पास घर पर रहता था।

अपने हाथों से खाना उन्हें खिलाता था,
दूध कटोरे में खूब उन्हें पिलाता था।

एक दिन मेरी माँ ने गुस्से में
बिल्ली को डंडा मार दिया

और उस प्यारे कुत्ते को भी घर
से बाहर निकाल दिया।

डंडे से बिल्ली की टाँग टूट गई,
बिल्ली का दर्द देख माँ रूठ गई।

मां ने मरहम बनाई और बिल्ली
की टाँग पर लगाई,

बहुत दिनों बाद बिल्ली बेचारी
थोड़ा थोड़ा चल पाई।

बिल्ली घर से दौड़ गई,
कुत्ते की हो मौत गई,

बंदर को मैंने छोड़ दिया,
जानवरों से नाता तोड़ दिया।

सुधीर टूट गई तीनों की यारी, ये
थी बातें बचपन की सारी।

इसमें कुछ भी झूठ नहीं है,मेरे
पास फोटो जैसा सबूत नहीं है।

कविता

मनोज वशिष्ठ

विश्व वीर विवेकानंद

उठा शिखर से घोष एक, जो सागर पार सुनाया था,
सोए भारत की अंतस को, जिसने आन जगाया था।
गेरुआ वसन, ललाट पे तेज, आँखों में करुणा की धार,
वह संन्यासी नहीं मात्र, था भारत का ही अवतार।

शिकागो की उस सभा बीच, जब गूँजा 'भ्राता-भगिनी' स्वर,
स्तब्ध रह गया विश्व सकल, झुक गया गर्व से मस्तक पर।
वेदांत की पावन वाणी से, जग का संशय दूर किया,
पश्चिम की भौतिक चकाचौंध में, अध्यात्म का नूर दिया।

कहा उन्होंने— उठो! जागो! मत रुको राह के रोड़ों से,
मंजिल तुमको ही चुननी है, संघर्षों के इन घोड़ों से।
शक्ति ही जीवन का सच है, कमजोरी बस एक मृत्यु है,
वीर वही जो अडिग खड़ा, चाहे सम्मुख काल-नृत्य है।

रमनुष्य-निर्माणर ही लक्ष्य रहे, वह शिक्षा असली कहलाती,
जो दीन-दुखी के आँसू पोंछे, वह भक्ति सच्ची कहलाती।
लोहे की हों मांसपेशियाँ, फौलादी जिनका सीना हो,
विवेकानंद के सपनों का, भारत ऐसा नगीना हो।

रेवाड़ी की पावन माटी से, हम यह संकल्प दोहराते हैं,
'विज़न 2026' के पथ पर, हम बढ़ते ही जाते हैं।
हाथों में विज्ञान रहे, और मन में संचित संस्कार रहें,
हम विवेकानंद के अनुयायी, राष्ट्र-प्रेम के आधार रहें।

लघुकथा

डॉ. तबस्सुम जहां

आत्मा का अंश

शिष्य: गुरुजी, आत्मा क्या है?गुरुजी: वत्स, आत्मा एक ऊर्जा है, जो चिरकाल से ब्रह्मांड में विचरण करती है — जैसे असंख्य तारे, ग्रह और धूमकेतु।

शिष्य: और गुरुजी, आत्मिक जुड़ाव क्या होता है?

गुरुजी: जब हमारी आत्मा का कोई अंश एक जन्म से दूसरे जन्म तक किसी को पाने को व्याकुल हो उठता है, जब किसी अनजाने से बिना मिले ही गहरा जुड़ाव महसूस होता है — तब समझना चाहिए कि आत्मा का वह अंश अपने दूसरे हिस्से से मिलने को आतुर है। वह मिलकर पूर्णता की ओर बढ़ना चाहता है।

शिष्य: परंतु गुरुदेव, आत्मा के वे दो हिस्से, दो व्यक्ति, कैसे मिलेंगे?

गुरुजी: वत्स, नियति चाहे जितनी राहें मोड़े, आत्माएँ अपने हिस्सों को ढूंढ ही लेती हैं। जो होना है, वह होकर ही रहता है।

शिष्य: क्या यह ज़रूरी है कि दोनों में प्रेम भी हो? जबकि मिलन से पहले उनके जीवन के मार्ग अलग-अलग हो चुके हैं?

गुरुजी: यही तो नियति की लीला है वत्स। आत्मा जिसे चुनती है, उससे वह प्रेम मांगती नहीं , बस देती है। यह प्रेम देह या मन का नहीं होता, यह निस्वार्थ होता है। आत्मा न किसी शर्त को जानती है, न किसी बंधन को मानती है।

शिष्य: और यदि दूसरा व्यक्ति उस प्रेम को न समझे?

गुरुजी: समझेगा वत्स... समय आने पर अवश्य समझेगा। प्रारंभ में वह भ्रमित रहेगा, दूर भागेगा, कड़वे वचन कहेगा, तिरस्कार करेगा। किंतु जब सब शांत होगा, वह अपने भीतर झांकेगा — तब उसे यह ज्ञात होगा कि जिस प्रेम को वह ठुकरा रहा था, वह कोई साधारण आकर्षण नहीं था... वह उसकी ही आत्मा का एक विलग अंश था।

शिष्य: तब क्या होगा गुरुदेव?

गुरुजी (मुस्कुराते हुए): तब... वह मौन में प्रार्थना करेगा कि वह प्रेम फिर लौट आए। पर तब तक वह प्रेम किसी दूसरी ऊँचाई पर पहुँच चुका होगा। जहाँ से लौटना संभव नहीं होगा। क्योंकि आत्मा का वह अंश अपना कर्तव्य पूरा कर चुका होगा — निःस्वार्थ प्रेम देकर... किसी अपेक्षा के बिना।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहां के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है।

मंथन

डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणवी साहित्य में शोध की नितांत आवश्यकता

हरियाणवी साहित्य' हरियाणा की उज्ज्वल सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा की नींव है। सरस्वती से पोषित हरियाणा की धरती साहित्यिक दृष्टि से बहुत उपजाऊ रही है। इसे वेद, पुराण, गीता, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना-स्थली होने का गौरव प्राप्त है।

आधुनिक साहित्यिक परंपरा का आरंभ हर्षवर्धनकाल से माना जाता है।

इस काल में अनेक ब्राह्मण ग्रंथ एवं वेदों के स्पष्टीकरण हेतु धर्मसूत्र, उपनिषद्, मनुस्मृति, महाभारत आदि की रचना की गई। इसके अतिरिक्त अनेक काव्य धाराएं यथा जैन काव्यधारा, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, वैष्णव भक्ति काव्यधारा आदि प्रवाहित हुई। विशाल 'हरियाणवी साहित्य' में जो साहित्य 'हरियाणवी' में लिखा गया, उसने हरियाणा को विशेष पहचान दी है।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहाँ के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद, हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं। नाथ-सिद्ध परंपरा से लेकर सूफी संतों की वाणियों तक और पंडित लखमीचंद के सांगों से लेकर आधुनिक कविता तक, इसका विस्तार बहुत बड़ा है, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हरियाणवी साहित्य का हिस्सा न के बराबर है। जो थोड़ा बहुत साहित्य उपलब्ध है, वह या तो मौखिक परंपरा में है या फिर पुरानी, जीर्ण-शीर्ण पांडुलिपियों में बंद है।

'श्रुति परंपरा' पर आधारित है साहित्य का बड़ा हिस्सा

हरियाणवी साहित्य का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है। हमारे बुजुर्गों के पास लोकगीतों, किस्सों, मुहावरों और कहानियों का खजाना है। जैसे-जैसे पुरानी पीढ़ी जा रही है, यह खजाना भी लुप्त होता जा रहा है। शोध के माध्यम से इन मौखिक रचनाओं को लिपिबद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह इतिहास हमेशा के लिए मिट जाएगा। हम पं. लखमीचंद, बाजे भगत या पं. मांगेराम जैसे बड़े रचनाकारों को तो जानते हैं, लेकिन हरियाणा के गांवों में ऐसे सैकड़ों कवि और रचनाकार हुए हैं जिनकी रचनाएं अद्भुत हैं, लेकिन उन्हें कोई नहीं जानता। इसलिए अब आवश्यक है कि गांवों की खाक छानकर ऐसे गुमनाम रचनाकारों को खोजा जाए और उन्हें साहित्य के पटल पर स्थापित किया जाए।

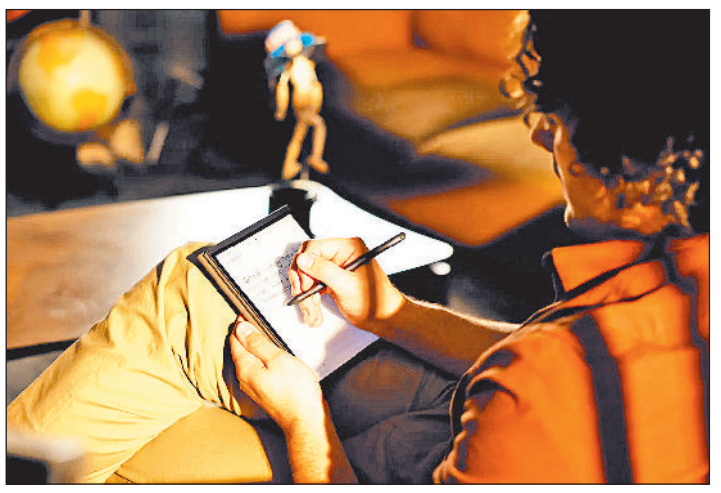

अतीत में इस दिशा में दिवंगत देवी शंकर प्रभाकर, शसाधुराम शारदा, प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल रघुवीर मथाना, प्रोफेसर बाबूराम, डॉ. रामफल चहल, डॉ. राजेंद्र वत्स द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में हरियाणवी साहित्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। हरियाणवी भाषा एवं लिपि के क्षेत्र में डॉक्टर जगदेव सिंह द्वारा ठोस कार्य किया गया है। आवश्यकता है इस लग्न एवं प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

ठोस कदम उठाने होंगे

शोध की दिशा में सकारात्मक बदलाव के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। पुरानी पांडुलिपियों और ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। एम.ए. और पीएच.डी. करने वाले छात्रों को हरियाणवी साहित्य पर शोध करने के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए। ऐसे प्रोजेक्ट्स शुरू करने चाहिए जिनमें शोधकर्ता गांवों में जाकर लोक साहित्य इकट्ठा करें। यह केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि यह हरियाणवी अस्मिता और संस्कृति को बचाने का सवाल है। जब हम अपनी भाषा और साहित्य पर शोध करेंगे, तभी हम दुनिया को बता पाएंगे कि हरियाणवी केवल 'लठ्ठमार' बोली नहीं है, बल्कि इसमें जीवन का गहरा दर्शन, प्रेम और करुणा भी समाहित है।

हरियाणवी भाषा बांगरू, देशवाली, अहीरवाटी, कौरवी आदि के नाम से हर 20-30 किलोमीटर पर बदल जाती है। शोध की कमी के कारण इसका कोई एक मानक सर्वमान्य रूप विकसित नहीं हो पाया है। जब तक भाषा के व्याकरण और शब्दकोश पर गहरा शोध नहीं होगा, तब तक इसे शिक्षा के माध्यम के रूप में या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने का दावा मजबूत नहीं हो पाएगा। हरियाणवी सांगों और रागनियों में उस समय की सामाजिक कुरीतियों, अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष, अकाल और खेती-किसानी के संघर्ष का वर्णन मिलता है।

शोध द्वारा हमें हरियाणा का एक ऐसा सामाजिक इतिहास मिलेगा जो किसी इतिहास की किताब में नहीं है। हरियाणवी अब केवल रागनियों तक सीमित नहीं है। आज अनेक कवि हरियाणवी में गजलें, दोहे, मुक्तक, नाटक और उपन्यास लिख रहे हैं।

अध्यात्म एवं यथार्थ का संगम है 'जब तक तुम ना आओगे'

पुस्तक : जब तक तुम ना आओगे
लेखिका : सविता गर्ग
मूल्य : 210 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

डॉ. विजेंद्र कुमार

कवयित्री सविता गर्ग से मेरा परिचय काफी पुराना है। उसने अपनी पहली काव्य कृति 'मैं मीरा सी' मुझे भेंट की थी। जब तक तुम ना आओगे उनका चौथा काव्य संग्रह है। इस काव्य संग्रह में उनकी 97 कविताएं संकलित हैं। इन कविताओं में कवयित्री का मन प्रेम, भक्ति, देश प्रेम ,अध्यात्म, विरह तथा समकालीन यथार्थ के विभिन्न आयामों की यात्रा करता प्रतीत होता है। यह सभी कविताएं उनकी रचनाशीलता के बहुआयामी व व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं। श्री कृष्ण को समर्पित कुछ कविताएं उनकी आध्यात्मिक चेतना के उज्ज्वल स्वरूप को आलोकित करती हैं। कवयित्री ने यह संग्रह भगवान श्री कृष्ण को ही समर्पित किया है। सविता अपनी अनुभूति को व्यक्तिगत परिधि से निकालकर सार्वभौमिक करने में सफल रही हैं। नारी पीड़ा की वेदना उनकी इन कविताओं में दृष्टव्य है - सिया सती राधा रुक्मण सारे रूपों से गुजरी हूं मोहन की जोगन बन घूमी में मीरा वही दीवानी हूं। इसी प्रकार मैं सदियों पुरानी हो गई हूं कविता में वह कहती हैं : परियों की कहानी हो गई हूं, शिलाओं पर लिखी निशानी हो गई हूं। 'जीवन उत्सव है' कविता का संदेश अनुकरणीय है, मानवता हो धर्म सभी का, सब उस रब के बंदे नेक भाव हो नेक हो नीयत नेक हो सब धंधे निर्बल का बल बन जाए जीवन उत्सव है। शहीदों को समर्पित कविता में वह कहती हैं -भारत मां के वीर सिपाही हंस फांसी पर झूल गए, हाय दुर्भाग्य हमारा, हम उनको ही भूल गए। देश की सीमाओं पर बलिदान शहीद के लिए लिखा उनका एक गीत बहुत मार्मिक बन पड़ा है। इस गीत से उन्हें मंचों पर विशेष ख्याति भी मिली है : प्राण तन में नहीं आंखें पथराई हैं उसके बिना घर की खुशियां मुरझाई हैं, रोता रहता है उसका पिता डाकिए उसकी आई क्या चिट्ठी बता डाकिए। नए साल की शुभकामनाएं देती कवयित्री कहती है- मानव धर्म सभी अपनाए जात-पात आड़े ना आए दिल में ज्ञान की जोत जलाएं दुख के बादल सब छट जाएं नए साल की भोर में। सविता गर्ग के मधुर कंठी गीतों की महक अनेक काव्य मंचों की शोभा बनती है। उनकी रचना धर्मिता में अपार संभावनाएं भी हैं। आलोच्य काव्य संग्रह का प्रकाशन एवं प्रस्तुतिकरण दोनों ही उत्कृष्ट कोटि के हैं।

खबर संक्षेप

बार एसो. में सुखमनी साहिब का पाठ हुआ

रतिया। बार एसोसिएशन रतिया द्वारा बार रूम परिसर में सुखमनी साहिब का पाठ श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। इस धार्मिक आयोजन में जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल, एसडीजेएम सलोनी गुप्ता, जेएमआईसी कुमारी ज्योति, बार एसोसिएशन फतेहाबाद प्रधान दिनेश गेरा तथा प्रधान बार एसोसिएशन टोहाना सुरेश गिल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर रतिया बार एसोसिएशन के प्रधान वेद कम्बोज, उप-प्रधान गगनदीप गिल, सचिव विक्रम कम्बोज, वित्त सचिव राधेश्याम मशाल, संयुक्त सचिव रविंदर सिंह खाई सहित रतिया के सभी अधिवक्ता, क्लर्क, डीड राइटर एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। पाठ उपरांत गुरु का अटूट लंगर भी संगत में वितरित किया गया।

नशा देकर गलत काम करने का आरोपी काबू

फतेहाबाद। एक महिला को नशा देकर गलत काम करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना भूना पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान यामिन पुत्र मांगेराम निवासी जांडली कलां के रूप में हुई है। थाना भूना के प्रभारी उप-निरीक्षक औमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि नामजद आरोपी ने उसके भरोसे का दुरुपयोग करते हुए उसे जबरदस्ती अपने साथ ले जाकर उसके साथ आपत्तिजनक काम किया और धमकाया। शिकायत के आधार पर थाना भूना में मामला दर्ज किया गया।

रॉयल स्कूल में विदाई समारोह आयोजित

फतेहाबाद। गांव खाराखेड़ी के रॉयल इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई देने के लिए कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हर्षोल्लास और भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ, जिसने उपस्थित सभी लोगों के लिए अविस्मरणीय यादें बना दीं। समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजक गतिविधियाँ एवं रोचक खेल प्रस्तुत किए गए। शिक्षकों ने अपने प्रेरणादायक संबोधनों के माध्यम से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की विशिष्ट प्रतिभा एवं व्यक्तित्व को सम्मानित करते हुए विशेष उपाधियां प्रदान की गई।

हवन के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

टोहाना। शहर के रेलवे रोड स्थित अग्रवाल भवन परिसर में स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शहर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान हवन का आयोजन किया गया जिसमे बाला जी मंदिर से पुजारी ने विधि विधान से मंत्र उच्चारण से पूजा करवाई। इस दौरान कमेटी प्रधान जगन्नाथ, संरक्षक दया प्रकाश, सचिव सुरेश सिंगला, उप प्रधान सुंदर लाल व कैशियर मि_न लाल विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने बताया कि 3 जनवरी को विद्यालय की स्थापना हुई थी। स्थापना के बाद से निरंतर अनेक वर्षों से हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर रहा है।

साइबर फ्रॉड पीड़ित को वापस दिलवाई राशि

फतेहाबाद। भट्टूकलां पुलिस ने साइबर फ्रॉड के एक मामले में कार्रवाई करते हुए पीड़ित को 20 हजार 591/- की राशि उसके खाते में वापस दिलवाई है। थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि पवन कुमार पुत्र इंदराज निवासी बनमंदोरी के खाते से 20,591 रुपये की राशि साइबर धोखाधड़ी के माध्यम से निकाल ली गई थी। पीड़ित द्वारा थाना में शिकायत दर्ज करवाए जाने पर तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित किया गया तथा आवश्यक तकनीकी एवं कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई, बैंक स्तर पर समय रहते की गई रोक के बाद राशि वापस मिल सकी।

जो बोले-सो निहाल के जयकारों के साथ शुरू हुआ कार्यक्रम

रतिया व कमाना में प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिख संगत ने निकाला नगर कीर्तन

- संगत ने बाबा हरचरण सिंह आहलुपुर कमाने वाले को भी याद किया
- संगत द्वारा अनेकों पड़ाव में चाय का लंगर अटूट चलाया गया

रतिया। नगर कीर्तन में भाग लेते श्रद्धालु तथा नगर कीर्तन में गत्तका के करतब दिखाते हुए सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को समर्पित हर वर्ष की तरह गांव कमाना में संगत द्वारा भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। गांव की संगत व क्षेत्र की संगत के सहयोग से गुरुद्वारा से रवाना होकर पांच प्यारों की अगुवाई में गलियों और मोहल्ले में जाकर गुरु इतिहास का प्रचार किया गया। पालकी साहिब व अन्य वाहनों को फूलों के साथ सजाया गया।

संत बाबा हरचरण सिंह आहलुपुर कमाने वाले को भी याद किया गया। संगत द्वारा अनेकों पड़ाव में चाय का लंगर अटूट चलाया गया। श्री गुरु गोबिंद सिंह गत्तका अखाड़ा पार्टी द्वारा शास्त्रों से जौहर दिखाए गए। रागी जत्थे द्वारा हर पड़ाव में गुरमत प्रचार किया गया। गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को समर्पित समागम में 2 जनवरी को श्री अखंड पाठ साहिब जी का प्रकाश किया गया था जिसका आज श्री भोग डाला गया।

इसके अलावा रतिया शहर के पुराना बाजार स्थित गुरुद्वारा साहिब से श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य शहर में नगर कीर्तन निकाला गया। नगर कीर्तन की अगुवाई गुरु के पांच प्यारों ने की। इस दौरान बोले सो निहाल के जयकारों से शहर का माहौल भक्तिमय हो गया। यह नगर कीर्तन पुराना बाजार के गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब से शुरू हुआ जो कि भगत सिंह चौक, गुरुद्वारा विश्वकर्मा साहिब, सरदूलगढ़ कैंचियां से टोहाना रोड सहित अनेक क्षेत्रों से होता हुआ गुरुद्वारा साहिब पहुंचा।

जहां पर अरदास कर नगर कीर्तन को समाप्त किया गया। नगर कीर्तन के दौरान गत्तका अखाड़ा पार्टी के सदस्यों द्वारा गत्तके के हैरतअंगेज करतब भी दिखाए। नगर कीर्तन के दौरान ढाडी जत्थों व रागी जत्थों द्वारा गुरुवाणी का प्रचार व प्रसार भी किया गया। सेवादारों ने बताया कि प्रतिवर्ष की इस वर्ष भी गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश दिहाड़ा मनाया जा रहा है। प्रकाश पर्व के संबंध में 5 जनवरी को श्री अखंड पाठ साहिब जी का भोग डाला जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान गुरु का अटूट लंगर भी चलाया जाएगा। इस मौके पर काफी संख्या संगत जुटी।

श्री अखंड पाठ साहिब का भोग डाला

रतिया। शक्ति नगर में शक्ति नगर सेवा सोसायटी द्वारा नगर की सुख समृद्धि को लेकर रखे गए श्री अखंड पाठ का आज भोग डाला गया। इस दौरान ग्रंथी भाई द्वारा अरदास की गई। हर वर्ष की तरह ही शक्ति नगर सेवा सोसायटी द्वारा इस वर्ष भी नगर की सुख समृद्धि के लिए शक्ति नगर में आज श्री अखंड पाठ साहिब जी का प्रकाश किया गया था इसका आज भोग डाला गया। भोग उपरांत अटूट लगर भी चलाया गया इस अवसर पर पंजाबी सभा के प्रधान सतीश हांडा, नगर पालिका चेयरपर्सन प्रीति खन्ना, प्रमोद कक्कड़, बॉबी मिढा, रमेश जताना, सचिन ललित, हरबंस खन्ना, योगी सेठी, कालू खन्ना, मोंटी खन्ना, रोहित खन्ना, रजत चिलाना, हनी चिलाना, हिमांशु चावला,देस राज, राजू, कालू मेहता, विनोद डोडा, कृष्ण मिढा, नानक चंद, शंटी कक्कड़, धीरज तनेजा, राजेश सेतिया सहित अन्य शक्ति नगर निवासी व शहर वासी उपस्थित थे।

भट्टूकलां। एनएसएस शिविर में योगाभ्यास करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

शिविर में विद्यार्थियों को बताया योग का महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭भट्टूकलां

रविवार को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भट्टूकलां में एनएसएस के विशेष शिविर के चौथे दिन की शुरुआत प्रार्थना सभा एवं एनएसएस गीत के साथ की गई।

इसके उपरांत जिला फतेहाबाद के मास्टर ट्रेनर राजेश बेनीवाल ने विद्यार्थियों को योग के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा योगाभ्यास करवाया। विद्यार्थियों ने अत्यंत रुचि एवं उत्साह के साथ योगाभ्यास में भाग लिया।

सर्वप्रथम प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया, तत्पश्चात विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया। प्रत्येक प्राणायाम एवं आसन के लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके बाद विद्यार्थियों को स्वस्थ खान-पान के विषय में जागरूक किया गया। उन्हें अपने दैनिक भोजन में मौसमी फल एवं हरी सब्जियाँ जैसे सेब, मौसमी, किन्नू, पालक, बथुआ, गांदल, मूली, शलगम, गाजर, मेथी, आलू, करेला आदि शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

साथ ही अधिक से अधिक मौसमी फल-सब्जियाँ, लस्सी, दही एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करने पर बल दिया गया। डॉ. नवदीप जी ने विद्यार्थियों को नशा मुक्ति के विषय में विस्तार से जानकारी दी तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामभतेरी जी ने की। शिविर का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी मोहन कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ से लीलू राम, विनोद, सतीश, सुभाष, देवेंद्र, किरण एवं संजू भी उपस्थित रहे।

खास बातें

- कार्यक्रम की अध्यक्षता रामभतेरी जी ने की
- शिविर का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी मोहन कुमार द्वारा किया गया

योग व राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ एनएसएस शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गांव भिरड़ाना के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन का शुभारंभ योग, लक्ष्य गीत व राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ। आज शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर सबसे पहले एसएसएस के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर रोहतास कड़वासरा पहुंचे। स्वयंसेवकों ने मुख्य अतिथि का तिलक लगाकर स्वागत किया व टोकन आफ लव के तौर पर उन्हें एनएसएस का बैज पहनाया। रोहताश कड़वासरा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उनसे पांच शपथ दिलवाई। सबसे पहले की सभी बच्चे अपने फाइनल एग्जाम में 90 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने का प्रयास करेंगे। अपने आप को हमेशा नशे से दूर रखेंगे। अपने माता-पिता वह गुरुजनों का हमेशा कहना मानेंगे और हर रोज 20 मिनट न्यूज पेपर जरूर पढ़ेंगे।

इसी बीच शिविर में जिला बाल संरक्षण अधिकारी सुरजीत बाजवा बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे। उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ अपने विचार साझा करते हुए बताया कि हर छोटी से छोटी बात अपने माता-पिता के साथ जरूर साझा करे। गुड टच और बेड टच के बारे में भी बच्चों को अवगत करवाया। बाल विवाह कानून और पोक्सो एक्ट के बारे में भी बच्चों को विस्तार से समझाया गया।

फतेहाबाद। गांव भिरड़ाना में आयोजित एनएसएस कैम्प में भाग लेते स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

चाइल्ड मैरिज एक्ट के बारे में विस्तार से चर्चा की

शिविर में तीसरे सत्र में मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंची जिला महिला व बाल विकास अधिकारी रेखा अग्रवाल ने बच्चों को संबोधित करते हुए चाइल्ड मैरिज एक्ट के बारे में विस्तार से चर्चा की और बताया कि आजादी के 78 वर्षों के बाद भी हमारे समाज में बाल विवाह जैसी कुरीतियां आज भी चल रही है। उनके प्रति हमें जागरूक होना बहुत जरूरी है। स्कूल के प्राचार्य कृष्ण कुमार ने आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। लंच के बाद बच्चो ने देश की पहली शिक्षिका व समाज सेविका ज्योतिबा फुले का जन्म दिवस मनाते हुए उनके संघर्ष को याद किया। इस अवसर पर सुरेश यादव, कपिल देव जांगड़ा, रिम्पी रानी, उषा देवी व ज्योति रानी भी उपस्थित रही।

कांग्रेस और भाजपा से प्रदेश की जनता दुःखी, एक पार्टी की जनता ने दुकान बंद की : अभय चौटाला

इनेलो राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक, पूर्व मंत्री सम्पत सिंह का किया गया अभिनन्दन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद।

इंडियन नेशनल लोकदल की राष्ट्रीय, प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक रविवार को फतेहाबाद में सिरसा रोड स्थित सेतिया पैलेस में हुई। बैठक की अध्यक्षता इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने की वहीं विशेष तौर पर इनेलो संरक्षक प्रो. संपत सिंह, प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा, शेर सिंह बड़शामी, महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला, प्रकाश भारती, राष्ट्रीय प्रवक्ता उमेद लोहान, प्रदेश प्रधान महासचिव गौरव संपत सिंह, रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला और डबवाली के विधायक आदित्य चौटाला, पूर्व विधायक समालखा भरत सिंह छोकर, पूर्व मंत्री वासुदेव शर्मा समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में देश भर से इनेलो के राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला व हलका स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा सांझा की गई इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

फतेहाबाद। सम्मेलन में भाग लेते इनेलो नेता। फोटो : हरिभूमि

नेता अपनी जेबें भर रहे

अभय चौटाला ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार दोनों हाथों से लोगों को लूटने में लगी है। भाजपा के लोग जहां अवैध कालोनियां काटकर जेबें भर रहे हैं वहीं दीन दयाल उपाध्याय के नाम पर कालोनियां काटकर सस्ते प्लाट देने के नाम पर लाखों के प्लाट बेचकर लोगों को ठगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में कांग्रेस का बड़ा हाथ रहा है। बापू-बेटे की जोड़ी ने इस सरकार को बनाने में पूरी भूमिका निभाई लेकिन अब इनके पाप का घड़ा भर चुका है और जमीन घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लिया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह कड़ी मेहनत कर पुराने कार्यकर्ताओं को दोबारा पार्टी से जोड़े।

ये बोले संपत सिंह

पूर्व मंत्री संपत सिंह ने कहा कि, मुझे पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। प्रदेशभर में कार्यकर्ता जहां बुलाएंगे, वहां जरूर जाएंगे। उन्होंने जेजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि मजदूरों के 1500 करोड़ रुपए खा गए। चौधरी देवीलाल के दिखाए रास्ते पर इनेलो चल रही है। इसको और मजबूत करेंगे। अर्जुन चौटाला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम सीमा पर है। युवाओं का प्रदेश सरकार से मोह भंग हो चुका है। गरीबों को काम की गारंटी मनरेगा कानून को भाजपा सरकार ने खत्म कर दिया है जोकि गरीबों के साथ अन्याय है। बड़े स्तर पर लोगों की पेंशन काटी जा रही है। आदित्य देवीलाल चौटाला ने अपने भाषण में प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर प्रस्ताव पेश किया।

पीएमश्री स्कूल में एनएसएस शिविर संपन्न

ओढां। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पन्नीवाला मोटा में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का रविवार को समापन हो गया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि व समाजसेवी प्रदीप बैनीवाल मुख्यातिथि थे। स्वयंसेवकों ने पाक कला व भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। शिविर के दौरान सात दिन में समाज के प्रति विभिन्न विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम जैसे साइबर क्राइम, सडक सुरक्षा आदि विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन समारोह में मुख्यातिथि प्रदीप बैनीवाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की प्रशंसा की तथा भविष्य में इस प्रकार के आयोजन ग्राम स्तर पर करने के बारे में योजना बनाने की बात की। अंत में मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न प्रदान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी शीशपाल गोदारा, दिव्या, सुरेंद्र भारी, सीएमसी प्रधान सूबेदार राजेंद्र कुमार, सह प्रभारी कमल जिंदल सहित अनेक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

नर्सिंग शिक्षक को हजारों की चपत

फतेहाबाद। साइबर ठगों ने एलआईसी की मैच्योरिटी राशि देने के नाम पर एक नर्सिंग ट्यूटर से हजारों रुपये हड़प लिए। महिला को जब अपने साथ हुए फ्रॉड का पता चला तो उसने इस बारे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई। अब इस मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज किया है।पुलिस को दी शिकायत में वंदना निवासी विशाल नगर, रोहतक ने कहा है कि वह अब शहीद उधम सिंह नर्सिंग कॉलेज, रतिया में रहती है और यहां नर्सिंग ट्यूटर के पद पर कार्यरत है। 1 जनवरी को सुबह उसके मोबाइल पर एक कॉल आई। फोन करने वाले ने बताया कि वह एलआईसी कम्पनी से बोल रहा है। उसके पिता कुलबीर सिंह की बीमा पॉलिसी मैच्योर हो चुकी है। फोन करने वाले ने उससे कहा कि उसके पिता ने बीमा पॉलिसी की पूरी मैच्योरिटी राशि उसके बैंक खाते में ट्रांसफर करने के लिए उसका फोन नंबर दिया है। वंदना के अनुसार फोन करने वाले ने कहा कि उसके पिता की एलआईसी की मैच्योरिटी राशि पाने के लिए उसे बताए गए निर्देशों का पालन करना होगा। वंदना के अनुसार उसने उक्त व्यक्ति की बातों पर विश्वास करके अपने पिता की एलआईसी की मैच्योरिटी राशि अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करने के लिए हां कर दी। उसके बाद उन्होंने उसके दो ट्रांजेक्शन के माध्यम से उसके पास 40 रुपये भेजे। इसके बाद उसके नंबर पर कुल 95 हजार रुपये के मैसेज भेजे।

युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान

ओढां। युवाओं को नशे की लत से बचाने और उन्हें सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा एक सराहनीय पहल की जा रही है। इस पहल के तहत एसपीओ हरगोबिंद ने गांव घुकांवाली क्रिकेट प्रतियोगिता करवाई। उन्होंने युवाओं से कहा कि नशा न केवल शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उनके भविष्य और परिवार को भी अंधकार की ओर ले जाता है। इसके विपरीत खेल न केवल अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं, बल्कि युवाओं को स्वस्थ और सफल जीवन की ओर अग्रसर करते हैं। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों के साथ संवाद कर उन्हें नशे से होने वाले दुष्परिणामों, खेलों के लाभ के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही नशा पीड़ित युवाओं को उपचार, काउंसलिंग व पुनर्वास से जोड़ने के लिए पुलिस द्वारा उपलब्ध सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया। पुलिस ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने समय और ऊर्जा को खेल, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों में लगाएं तथा नशे से दूरी बनाकर स्वयं के साथ-साथ समाज को भी सुरक्षित रखें।

साइबर ठगों ने खाते से निकाले 90 हजार

फतेहाबाद। साइबर ठगों ने टोहाना के एक चावल व्यापारी के खाते से 90 हजार रुपये निकाल लिए। व्यापारी के पास न कोई ओटीपी आया और न ही कोई कॉल, इसके बावजूद जब उसे पैसे निकलने का बैंक मैसेज मिला तो उसे अपने साथ धोखाधड़ी का पता चला। इस पर उसने इस बारे ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद अब पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में न्यू मॉडल टाऊन, टोहाना निवासी कपिल जैन ने कहा है कि वह राइस ट्रेडिंग का काम करता है। उसका आईसीआईसीआई बैंक में खाता है। कुछ दिन पहले उसके पास बैंक का टेक्सट मैसेज आया कि उसके खाते से 90 हजार रुपये की ट्रांजेक्शन हुई है। उसने मैसेज देखकर टोल फ्री नंबर पर फोन किया तो पता चला कि उसके खाते से 90 हजार रुपये कट गए हैं। उसने बैंक जाकर स्टेटमेंट निकलवाई तो पता चला कि अनजान व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर उसके बैंक खाते से यह राशि निकाली गई है और उसे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। उसके पास न तो कोई ओटीपी आया और न ही कॉल आई। इसके बावजूद उसके खाते से पैसे कट गए। इस पर उसने इस बारे ऑनलाइन नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई। अब इस मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यीकरण योजना में

दूसरी बार प्रथम रहा कंवलगढ़ विद्यालय

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यकरण योजना के अंतर्गत खण्ड रतिया में आयोजित खण्ड स्तरीय मूल्यांकन में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कंवलगढ़ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खण्ड स्तर पर दूसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि विद्यालय परिसर में किए गए सुनियोजित सौंदर्यकरण, स्वच्छ वातावरण, हरित परिसर, रंग-रोगन, कक्षा सज्जा एवं शैक्षणिक सुविधाओं के उन्नयन का परिणाम है। विद्यालय के मुख्याध्यापक सुभाष चंद्र भुक्कल ने स्कूल को मिली इस उपलब्धि का श्रेय शिक्षकगण, विद्यालय कार्मिकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों को दिया है।

रतिया। राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कंवलगढ़। फोटो : हरिभूमि

विद्यालय परिवार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए शिक्षा विभाग एवं तथा भविष्य में भी विद्यालय को एक आदर्श शैक्षणिक संस्था के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया। मुख्याध्यापक ने बताया कि विद्यालय की इस उपलब्धि के पीछे विद्यालय के मेहनती अध्यापक सुनील कुमार, राम शंकर, अमरजीत, अनिल व अन्य की मेहनत रही।

बैठक सदस्यता अभियान की शुरूआत, 5 को भट्टू में होगी जनरल बॉडी की मीटिंग

किसानों की बिगड़ती आर्थिक स्थिति के लिए सरकार की नीतियां जिम्मेवार : विष्णुदत्त

- अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक में मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जलभराव से फसलों व ढाणियों को हुए नुकसान का मुआवजा व बीमा क्लेम के भुगतान की मांग को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक 5 जनवरी को दोपहर 12 बजे ताऊ देवीलाल पार्क, भट्टू मण्डी में होगी। बैठक में किसानों की मांगों पर चर्चा के बाद आगे के आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। यह जानकारी किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने की। वह आज गांव बड़ोपल व आसपास की ढाणियों के किसानों की जनरल बॉडी की मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। मीटिंग की अध्यक्षता शंकर लाल ने की।

इस अवसर पर किसान सभा द्वारा बड़ोपल व ढाणियों में सदस्यता अभियान की भी शुरूआत की गई। सदस्यता अभियान को लेकर 25 सदस्यीय कमेटी का भी गठन किया गया। इसमें हंस राज गोदारा पंचायत मैम्बर को प्रधान, सतबीर सिंह कड़वासरा को सचिव, भगवान दास को सह सचिव, पवन गोदारा को कोषाध्यक्ष, सुन्दर सिंह, श्याम सुंदर, रामनिवास, कुलदीप गोदारा को उप प्रधान तथा रामधारी, विजेन्द्र कड़वासरा, रामधारी, सुशील कुमार, हवासिंह, राधेश्याम गोदारा, राम गोपाल, सलेन्दर, सुनील, राम निवास, सुभाष गोदारा, धर्मपाल, सिगा राम डूंगर, रामेश्वर ज्याणी, रमेश, अमनदीप को कमेटी सदस्य बनाया गया।

फतेहाबाद। गांव बड़ोपल में बैठक में भाग लेते किसान। फोटो : हरिभूमि

फसलों का नहीं मिल रहा मूल्य

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान विष्णुदत्त ने कहा कि सरकार की उदासीनता और किसान विरोधी नीतियों की वजह से किसान और मजदूर कर्जे के बोझ तले दबता जा रहा है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद का झूठा प्रचार किया जाता है लेकिन वास्तविकता इसकी उलट है। खेतों में प्राकृतिक आपदा से फसलें खराब हो रही है। रही सही कसर सरकार पूरी कर देती है। न तो किसानों को खराब फसलों का मुआवजा दिया जा रहा है और न ही फसलों के उचित भाव मिल पाते हैं। ऐसे में किसान की आर्थिक हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। बीमा कंपनियों द्वारा क्लेम व जल भराव से हुए नुकसान का एक पैसा भी अभी तक किसानों के खातों नहीं डाला गया। उन्होंने सरकार से मांग की कि बड़ोपल के किसानों को वर्ष 2022 का लगभग 7 करोड़ के बकाया मुआवजे के अलावा वर्ष 2023, 24 व 25 में जलभराव से फसलों व ढाणियों को हुए नुकसान का मुआवजा तुरंत जारी किया जाए। टूटे हुए खालों की तुरंत मुरम्मत करवाई जाए। उन्होंने बताया कि 5 जनवरी को होने वाली बैठक में इन सब मुद्दों पर चर्चा के बाद आगामी आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा।

खबर संक्षेप

पिथौरा में बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी देखी

हिसार। नई दिल्ली स्थित किला राय पिथौरा कल्चरल कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'द लाइट एंड द लोटसः रेलिक्स ऑफ द अवेकन्ड वन' प्रदर्शनी का अवलोकन करने हिसार से आए सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट बजरंग इंदल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। प्रदर्शनी में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अस्थि एवं रत्न अवशेष प्रदर्शित किए गए हैं जिन्हें भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अमूल्य हिस्सा माना जाता है। इंदल ने कहा कि यह आयोजन बुद्धकालीन अखंड भारत की विरासत का सजीव अनुभव कराता है और करुणा, शांति, समता व मानवता के बुद्ध संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है।

विधायक चंद्रप्रकाश का जन्मदिवस मनाया

आदमपुर। विधायक चंद्रप्रकाश का जन्मदिवस हलकावासियों व कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह के साथ मनाया। हिसार स्थित विश्वकर्मा कॉलोनी, मंडी आदमपुर व आर्य नगर में विधायक चंद्रप्रकाश से केक कटवाकर समर्थकों ने शुभकामनाएं दी। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि शुभचिंतकों ने जन्मदिवस को यादगार बना दिया है। उन्होंने कहा कि हमेशा 36 बिरादरी का भरपूर सहयोग मिला है और कार्यकर्ताओं के उत्साह ने हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि वे आदमपुर हलके के विकास के लिए पूरी शिद्दत से प्रयत्नशील हैं। चंद्रप्रकाश ने कहा कि हलकावासियों से निरंतर संवाद साधने के लिए हर शुक्रवार को मंडी आदमपुर में जनता दरबार का आयोजन भी किया जा रहा है।

ध्यान को जन-आंदोलन बनाने की अपील

हिसार। आचार्य सुभाष ने रविवार को समर्थगुरु धारा संघ के तत्वावधान में कौशिक नगर साधना केंद्र, हिसार में आयोजित साप्ताहिक ध्यान सत्र में सोहम ध्यान कराया। इस ध्यान सत्र में अनेक साधकों एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर मानसिक शांति और आत्मिक एकाग्रता का अनुभव किया। ध्यान सत्र को संबोधित करते हुए आचार्य सुभाष ने कहा कि सोहम ध्यान आत्मचेतना को जागृत करने की सरल एवं प्रभावी साधना है, जो व्यक्ति को तनावमुक्त कर संतुलित जीवन की ओर अग्रसर करती है। उन्होंने नियमित ध्यान अभ्यास को जीवन में अपनाने पर बल दिया।

श्री अग्रवाल सेवा समिति का 30वां वार्षिक उत्सव

अग्रवाल सेवा समिति कर रही सैकड़ों परिवारों की सेवा : जिंदल

समारोह में छात्र छात्राओं ने दी भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

श्री अग्रवाल सेवा समिति का 30 वां विशाल वार्षिक उत्सव अग्रसेन भवन में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष को बजरंग गर्ग ने की जबकि विधायक सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि रही। नारायण दास बंसल, शकुन्तला राजलीवाला, अंजनी खारिया वाला, पवन रावलवासिया, डाक्टर पुनीत गोयल, रामकुमार रावलवासिया, नीरज आर्य, विनोद जैन, शशि लोहिया, कृष्ण कुमार ऐरन, विवेक गोयल, विपिन गोयल, अमित सिंगल, अनिल गुप्ता, संजय गुप्ता, रामबाबू अग्रवाल, बलराज मित्तल, ईश्वर दास गर्ग विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ सावित्री जिंदल व बजरंग गर्ग ने दीप प्रज्वलित करके किया। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि नर सेवा नारायण सेवा है। मानव सेवा से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि श्री अग्रवाल सेवा समिति महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर चलकर जनता की सेवा में लगी हुई है।

समिति के प्रधान शिव कुमार गोयल ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और समिति के सारे लेखा-जोखा के बारे में बताया। कार्यक्रम पीजीएसडी शिक्षण संस्थान के छात्र-छात्राओं ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, हरियाणवी, पंजाबी गीत, देशभक्ति व श्री राधा कृष्ण की सुंदर-सुंदर झांकियां प्रस्तुत की। सावित्री जिंदल व बजरंग गर्ग ने स्कूल के छात्र-छात्रों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

हिसार। बच्चों को सम्मानित करते सावित्री जिंदल व बजरंग गर्ग। फोटो: हरिभूमि

जरूरतमंदों को करते हैं राशन वितरण

विधायक सावित्री जिंदल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री अग्रवाल सेवा समिति अनेक वर्षों से सामाजिक व धार्मिक कार्यों में लगी हुई है। समाज के जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरण, दवाइयां, कन्याओं की शादी करने जैसे धार्मिक कार्य कर रही है, जो बहुत सराहनीय कार्य है। समिति के माध्यम से सैकड़ों परिवारों को अनेक वर्षों से लाभ मिल रहा है।

कैंप में 100 का जांचा स्वास्थ्य

■ सैनियान मोहल्ला में निशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। शिविर में जांच करवाते नागरिक। फोटो: हरिभूमि

हर शनिवार व रविवार को फ्री जांच

टाटा 1एमजी लैब, सेक्टर 13 के संचालक परमवीर न्योलिया ने बताया कि टाटा 1एमजी लैब द्वारा हर शनिवार और रविवार को शुगर, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड व कैल्सियम की फ्री जांच की जाती हैं। प्रत्येक व्यक्ति फ्री हेल्थ चैकअप कैंप का फायदा उठा सकता हैं।

स्वस्थ कल के लिए आज ही अपनी सेहत को प्राथमिकता दें। आज की एक नियमित जांच कल आने वाली किसी भी समस्या से बचा सकती है। स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सैनियान मोहल्ला के शिव चौक स्थित शिव मेडिकोज की ओर से शुगर, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड एवं कैल्शियम की जांच के लिए फ्री हेल्थ चैकअप कैंप का आयोजन करवाया गया। कैंप में टाटा 1एमजी लैब, हिसार द्वारा सैंपल लिए गए। आयोजक दीपक सलूजा ने बताया कि कैंप में 100 से अधिक व्यक्तियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई और उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति का स्वास्थ्य ही उसकी सबसे बड़ी दौलत होती है।

श्रम दान सबसे बड़ा दान : उषा बंसल

हिसार। किरतान के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एनएसएस कैंप के छठे दिन स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व बताया गया और सामाजिक सेवाओं की दिशा में श्रम दान की अहमियत की जानकारी दी गई। विद्यालय की प्रिंसीपल उषा बंसल ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को न केवल समाज सेवा का अवसर प्रदान करती है बल्कि उनमें अनुशासन, नेतृत्व, सहयोग और जिम्मेदारी जैसे मानवीय मूल्य स्थापित करती है। ऐसी सामाजिक गतिविधियों से जुड़कर स्वयंसेवक समाज के वंचित वर्गों की सेवा करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

बाइक सवार दूध विक्रेता को पिकअप ने मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांव गढ़ी के पास एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दूध विक्रेता को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल दूध विक्रेता के भाई ने राहगीरों ने घायल दूध विक्रेता को उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हिसार रेफर कर दिया। दूध विक्रेता की बाइक को टक्कर मारने के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल दूध विक्रेता गढ़ी निवासी प्रदीप के भाई अनिल के बयान पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में अनिल बताया कि वह एक निजी स्कूल में शिक्षक है और अपने भाई प्रदीप के साथ दूध बेचने का काम करता है। दोनों भाई शाम को सोरखी, कुंगड़ और भैणी सहित आसपास के गांवों से दूध इकट्ठा करते हैं।

रॉयल स्कूल में विदाई समारोह

■ विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल खारा खेड़ी में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई देने के लिए कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हर्षोल्लास और भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ, जिसने उपस्थित सभी लोगों के लिए अविस्मरणीय यादें बना दीं। समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजक गतिविधियां एवं रोचक खेल प्रस्तुत किए गए।

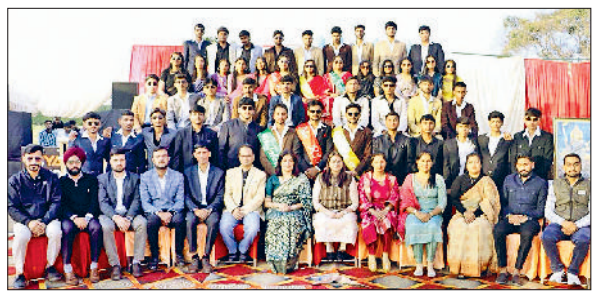

हिसार। विदाई समारोह में उपस्थित विद्यार्थी व अध्यापकगण। फोटो: हरिभूमि

उज्ज्वल भविष्य की कामना की

स्कूल चेयरमैन डॉ. युद्धवीर सिंह, स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल (डॉ.) डीवी नेहरा ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। विदाई समारोह का समापन स्मृति-चिह्नों के वितरण एवं सामूहिक छायाचित्रों के साथ हुआ। इस अवसर पर सीनियर कोऑर्डिनेटर पूनम बिश्नोई, गतिविधि इंचार्ज वर्षा, प्रवेश, अंकित, रोहताश, जाहिद हुसैन, अमरिक, प्रवीना, सवीन, प्रीति, नवीन, ओमबीर आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

आईएएस एकेडमी में विद्यार्थियों का ज्ञान परखा

■ सिनर्जी आईएएस एकेडमी में 'एजुकेशनल टैलेंट हंट' का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर चार के समीप स्थित द सिनर्जी आईएएस एकेडमी में रविवार को बहुप्रतीक्षित एजुकेशनल टैलेंट हंट परीक्षा का आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शैक्षणिक आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी निर्धारित की। इस टैलेंट हंट परीक्षा का आयोजन द सिनर्जी आईएएस अकैडमी, हिसार, न्यू सीआर स्कूल, उकलाना मंडी, लोटस स्कूल, उकलाना मंडी, पिंक सिटी स्कूल, बिसला (फतेहाबाद) तथा अर्शया स्किल सेंटर, बिश्नोई धर्मशाला के पास, रतिया सहित विभिन्न केंद्रों पर किया गया। परीक्षा में दसवीं कक्षा के हजारों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न शहरों और कस्बों से आए 100 से अधिक विद्यालयों के छात्रों की सहभागिता ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, विश्लेषण शक्ति और विषयगत समझ का आकलन किया गया।

हिसार। परीक्षा में बैठे युवा। फोटो: हरिभूमि

26 को रिजल्ट

इस टैलेंट हंट का मुख्य उद्देश्य उन होनहार छात्रों की पहचान करना था, जिनके भीतर सिविल सेवा जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में जाने की प्रबल क्षमता और इच्छाशक्ति मौजूद है। परीक्षा परिणामों के आधार पर शीर्ष तीन छात्रों को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। परीक्षा का परिणाम 26 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे सिनर्जी आईएएस अकैडमी परिसर में घोषित किया जाएगा। इस अवसर पर अकैडमी के डायरेक्टर मोनू चहल, अजय कुमार बुडानिया,बाल मनोवैज्ञानिक राज आलम व तरुण नागपाल, प्रितम सिवाच ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से संवाद करते हुए सिविल सेवा की तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

सड़क सुरक्षा व नशा मुक्ति का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरसौद बिचपड़ी में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन हो गया। कार्यक्रम अधिकारी संतोष पूनिया ने बताया कि यह सात दिवसीय शिविर प्रिंसिपल सुमन राठी के निर्देशन मे हुआ। इस सात दिवसीय शिविर में मुख्य रूप से सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, वर्तमानकालीन सामाजिक मुद्दे, स्वदेशी का महत्व, स्टार्टअप, प्राथमिक चिकित्सा, साइबर क्राइम, स्वावलंबी भारत इत्यादि रहे। जीवन में चुनौतियों का सामना कैसे करें यह सिखाया गया। एनएसएस शिविर के प्रथम सत्र मे राजकुमार जांगड़ा व चंद्रभान ने स्वयंसेवकों के समक्ष भारत को नशामुक्त अभियान एवम्-सामाजिक समानता के विषय में विस्तार से समझाया। दूसरे सत्र में डॉ. पूनम शर्मा ने स्वयंसेवकों को मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

सरसौद बिचपड़ी में एनएसएस शिविर सम्पन्न

एनएसएस शिविर के समापन पर उपस्थित प्रिंसिपल, जिला कोऑर्डिनेटर, कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवक।

भाषण स्पर्धा में आशु ने बाजी मारी

■ सुशीला भवन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का समापन हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सुशीला भवन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का रविवार को समापन हुआ। कैंप में स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित किया। इस मौके पर रिसोर्स पर्सन मनोचिकित्सक डॉ. शिल्पा बैनीवाल ने स्वयंसेवकों को स्ट्रेस फ्री जीवन जीने के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि जीवन में मानसिक अवसाद अनेक बीमारियों को जन्म देता है। हमेशा प्रसन्नचित रहें क्योंकि बाधाएं हर व्यक्ति के जीवन में आती हैं। इन बाधाओं से पार पाने का प्रयास करना चाहिए ना कि उन्हें मानसिक अवसाद का कारण बनाना चाहिए।

इस मौके पर स्वयंसेवकों के बीच भाषण व कविता प्रतियोगिताएं हुई। भाषण प्रतियोगिता में आशु अव्वल तो कविता प्रतियोगिता में लताशा प्रथम रहीं। सामूहिक नृत्य कर स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक मनोरंजन किया। प्रोग्राम अधिकारी सन्तोष औला ने सात दिवसीय कैंप की समीक्षा रिपोर्ट रखी। कैंप के दौरान अनिल चन्द्र पाण्डे, संगीत सांगवान, प्रवीन कुमार, किरण ढिल्लो, सुमित्रा, बलजिन्दर, पुष्पा, महेद्र आदि मौजूद थे। इस मौके पर प्राचार्य कृष्ण कुमार ने पौधरोपण भी किया।

हिसार। स्वयंसेवकों को सम्मानित करते अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

रमेश लोहिया सातवीं बार बने हनुमान मंदिर मंडल ट्रस्ट मोती बाजार के प्रधान

हिसार। मोती बाजार स्थित हनुमान मंदिर मंडल ट्रस्ट की आम सभा की बैठक मंदिर के श्रीश्याम हाल में मंदिर ट्रस्ट के सरपरस्त महाबीर प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई। इसमें मंदिर के त्रिवार्षिक चुनाव में लगातार सातवीं बार रमेश कुमार लोहिया को निर्विरोध प्रधान चुन लिया गया। इससे पहले छह बार निरंतर 18 वर्षों से प्रधान पद पर रहते हुए मंदिर की सेवा में लगे रमेश कुमार लोहिया के कार्यों की प्रशंसा की गई। प्रधान रमेश कुमार लोहिया ने पुरानी कार्यकारिणी के सदस्यों को ही अपने पदों पर बने रहने की घोषणा की। मंदिर ट्रस्ट की कार्यकारिणी में सज्जन कुमार गुप्ता उपप्रधान, अमित गुप्ता कार्यवाहक प्रधान, अनूप गुप्ता महासचिव, अशोक जैन संयुक्त सचिव, महेन्द्र कुमार बंसल कोषाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। बैठक में पिछले दिनों हुए रामलीला कमेटी कटला के चुनावों में मंदिर के चार सदस्य विनोद कुमार गुप्ता प्रधान, राजेश बंसल चाय पत्ती वाले, राधेश्याम अग्रवाल व प्रवीन कुमार सिंगल के कार्यकारणी सदस्य चुने जाने पर सभी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

रक्तदान में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

■ 'ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' ने ब्रह्माकुमारीज संस्था को दिया सर्टिफिकेट

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

ब्रह्माकुमारीज संस्था के समाज सेवा प्रभाग द्वारा दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि (विश्व बंधुत्व दिवस) के अवसर पर भारत एवं नेपाल में आयोजित विश्व बंधुत्व रक्तदान महाअभियान-2025 को 'ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। हिसार केंद्र की प्रमुख बीके रमेश कुमारी ने बताया कि यह महाअभियान पिछले वर्ष 22 से 25 अगस्त तक संचालित किया गया, जिसमें भारत एवं नेपाल में कुल 88 हजार 378 यूनिट रक्तदान हुआ।

हिसार। ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि ब्रह्माकुमारीज समाज सेवा प्रभाग को वर्ल्ड रिकॉर्ड मेडल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए।

कई संस्थाओं का रहा सहयोग

समाजसेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके अवतार ने बताया कि इस महाअभियान में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जिला ब्लड बैंक, जिला सरकारी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, रोटरी इंटरनेशनल, लायंस क्लब, आईएसबीटीआई सहित अनेक सामाजिक संगठनों का सहयोग प्राप्त हुआ। इस उपलक्ष्य में शांतिवन, आबू रोड स्थित डायमंड हॉल में आयोजित भव्य समारोह में ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों द्वारा ब्रह्माकुमारीज समाज सेवा प्रभाग को वर्ल्ड रिकॉर्ड मेडल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

अभियान पुलिस ने चोरी, गृह भेदन, लूट व वाहन चोरी जैसे अपराध सुलझाने में गति दिखाई

पुलिस ने संपत्ति विरुद्ध अपराधों में 745 वारदातों का किया निपटारा, 6.68 करोड़ की रिकवरी

■ पुलिस ने गृह भेदन के 172 मामलों का समाधान कर 2 .85 करोड़ की संपत्ति बरामद की

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिला पुलिस ने बीते वर्ष के दौरान जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने व संपत्ति विरुद्ध अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से निरंतर, सुनियोजित एवं सख्त कार्रवाई की। जिला पुलिस की सभी थाना, चौकी एवं अपराध शाखाओं ने समन्वय के साथ कार्य करते हुए चोरी, गृह भेदन, लूट, छीना-झपटी, डकैती एवं वाहन चोरी जैसे अपराधों में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की।

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन।

250 गिरफ्तार

गृह भेदन की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष रणनीति अपनाते हुए पुलिस ने 172 मामलों का समाधान किया। इन मामलों में 250 आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई तथा उनसे 2 करोड़ 85 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई। रात्रि गश्त एवं संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी को विशेष रूप से सुदृढ़ किया गया।

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि 2025 में पुलिस ने संपत्ति विरुद्ध अपराधों की कुल 745 घटनाओं को सुलझाते हुए 6 करोड़ 68 लाख रुपये मूल्य की चोरीशुदा संपत्ति बरामद की जिससे आमजन में सुरक्षा की भावना भी और अधिक मजबूत हुई है।

इनामी अपराधी एवं बेल जंपरों की गिरफ्तारी

वर्ष 2025 में पुलिस ने हत्या, हत्या प्रयास, लूट एवं डकैती जैसे संगीन अपराधों में वांछित 6 इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त कानून से फरार चल रहे 84 उद्घोषित अपराधी (पीओ), 239 बेल जंपर तथा 2 पैरोल जंपर की गिरफ्तारी भी सुनिश्चित की गई।

निगरानी, गश्त एवं नववर्ष की रणनीति

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि पूर्व वर्षों में संपत्ति विरुद्ध अपराधों में संलिप्त रहे अपराधियों की सूची तैयार कर उनकी सतत निगरानी की जा रही है। सभी थाना, चौकी एवं अपराध शाखा प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित एवं प्रभावी गश्त करें, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखें तथा चोरी की वारदातों को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई करें।